यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 7

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. नीचे लिखी हूई गाथाओं को पूरा कीजिए- 30

1. सो .....
..... परिच्चयई।।

2. चत्तपुत्त .....।
पियं ण विज्जइ .....।।

3. ..... मग्गलं।
..... दुप्पधंसयं।।

4. आमोसे .....।
णगरस्स .....।।

5. अप्पाणमेव .....।

..... सुहमेहए।।

6. मासे .....।

ण सो .....।।

7. तो वंदिऊण .....।

..... तिरीडी।।

8. है भिन्न .....।

..... पाएसदा।।

9. होकर विमति .....।

..... पड़ाव से।।

10. जो मोक्षपथ .....।

जो अतनु, ...।।

11. संघ हेतु .....।

..... प्यारा है।।

12. संघ नायक। .....।

और नहीं .....।।

13. कितना संग .....।

..... रहा बेकार।।

14. डाभ अणी .....।

भवसागर .....।।

15. बरस दिनों .....।

..... को जाय।।

प्रश्न 2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **15**

1. मैथुन संज्ञा के कोई 2 कारण बताइये।

.....

.....।

2. शुभयोगी आत्मारम्भी है, परारम्भी हैं, तदुयाभयारंभी है या अनारंभी है?

.....

.....।

3. भाव यतना किसे कहते हैं?

.....

.....।

4. गुप्ति किसे कहते हैं?

.....

.....।

5. दान देने के अनधिकारी कौन–कौन हैं?

.....

.....।

6. संयोजना दोष क्या हैं?

.....

.....।

7. ''अटवी भक्त'' दोष क्या हैं?

.....

.....।

8. भगवान ऋषभदेव ने नारी मे क्या-क्या विशेषता देखी?

.....

.....।

9. बाहुबली की तपः साधना का जंगल में क्या प्रभाव पड़ा?

.....

.....।

10. माता ने कपिल से क्या कहा?

.....

.....।

11. ''पंथक मुनि'' ने अपना परम कल्याण कैसे किया?

.....

.....।

12. आचार का पालन क्यों करें?

.....

.....।

13. सर्वोच्च क्षमा कौन सी है लीखिए।

.....

.....।

14. मित्रों के साथ छल-कपट न करने पर किसका परम कल्याण हुआ?

.....

.....।

15. नमि राजा कैसे प्रतिबुद्ध हुए?

.....

.....।

प्रश्न 3. खाली स्थान भरिए– **20**

1. नमिराजर्णि ने देवेन्द्र के 10 प्रश्नों का समाधान उन्होनें ..... और ..... से दिया।
2. सुव्वंति दारूणा ....., ... बिहसु य।।
3. ..... सो कुणइ, जो मग्गे .....।
4. दच्चा भोच्चा य जिट्ठा य, ...।।
5. दूहंसि ..... भंते, पेच्चा होहिसि .....।
6. नरकगति से आये हुए जीव में ..... अधिक होती है।
7. दूसरे का ..... करना या दूसरे के द्धारा ..... कराना परारम्भ हैं।
8. रोग की उत्पत्ति के नौ कारण ..... स्थान 9 में हैं।
9. ..... मे लाया हुआ अशनादि चौथे प्रहर मे नहीं भोगें।
10. निःसरणी आदि लगाकर आहार देना ..... हैं।
11. 12 कौर का आहार करना ..... हैं।
12. ..... को धोकर देने वाले दाता से आहारादि लेना पूर्वकर्म दोष हैं।
13. मरूदेवी माता ने ..... बाद अपने पुत्र की सुख शांति के समाचार सुने।
14. ..... ने दूध, दही, घी आदि पदार्थो का त्याग कर दिया था।
15. मै पाप के मूल ..... का त्याग कर श्रमण निर्ग्रन्थ हो गया हूँ।
16. ..... आगम के ज्ञाता, उच्च क्रिया से जिनका नाता ।।
17. अर्न्तदृष्टा मैं बन जाँऊ, ... की ज्योति जगाँऊ।
18. संघ परम उपकारी हमको, संघ ने ..... बोध दिया।
19. क्रोध शमन का एकमात्र उपाय ..... हैं।
20. पांच पांडवों का ..... से परम कल्याण हुआ।

प्रश्न 4. सही अथवा गलत बताइये– **12**

1. ज्ञान दर्शन चारित्र रूप मोक्ष मार्ग में स्थिर हो जाना समाधि हैं। ( )
2. अध्ययन करने से मुझे मति ज्ञान का लाभ होगा । ( )
3. क्षमाधारी द्धारा क्रोध करने पर उसका महत्व घट नहीं जाता हैं, बल्कि और कई गुना बढ़ जाता है। ( )
4. वर्तमान जैन संस्कृति की प्रथम श्रमणी मल्ली भगवती हैं। ( )
5. एक क्षुद्र अहंकार के कारण भरत की साधना सिद्धि के द्धार पर अटक गई हैं। ( )
6. राजा दधिवाहन ने सेठ सुदर्शन का सत्कार कर उस नगर का सेठ बना दिया। ( )

7. वीतराग कपिल ने विहार करते हुए निमित्त उपादान को जानकर 5000 डाकू को उपदेश दिया। ( )

8. मनुष्यों में सबसे थोड़े परिग्रह संज्ञा वाले हैं। ( )

9. विषयों में अति गृद्ध रहने से रोग की उत्पत्ति होती है। ( )

10. नवदीक्षित के हाथ का हो और वह नही खा सके तो परठना चाहिए। ( )

11. दाता की प्रशंसा करके आहार लेना मित्रत्ता देष हैं। ( )

12. तओ णमिं रायरिसिं, देविंदो इणमष्बवी।। ( )

प्रश्न 5. अर्थ लीखिए-(कोई 10) **10**

1. णिसामित्ता

.....।

2. णावपेक्खह

.....।

3. पलिमंथए

.....।

4. काऊण

.....।

5. जिणेज्जा

.....।

6. सोलसिं

.....।

7. साली

.....।

8. वग्गूहिं

.....।

9. वंदिऊण

.....।

10. मिहिलाए

.....।

11. दुहिया

.....।

12. लोगम्मि

.....।

प्रश्न 6. नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर 1 शब्द में दीजिए- **10**

1. परिग्रह संज्ञा कौन से कर्म के उदय से होती हैं।
2. गाय में कितनी संज्ञा पाई जाती है।
3. आहारादि ग्रहण करते समय शुद्धि अशुद्धि की खोज करना क्या है।
4. धर्मध्यान शुक्लध्यान का चिंतन करना क्या है।
5. चावल आदि को बिखरता हुआ देवे तो कौन सा दोष हैं।
6. सचित पानी के अंदर प्रवेश करके लाया हुआ आहार लेना कौनसा दोष है।
7. देवी-देवता को चढ़ाने के लिए बनाया गया आहार लेना क्या है।
8. क्षमा किसका आभूषण हैं।
9. व्रतों से गिरकर पुनः स्थिर होने से मेरा कल्याण हुआ।
10. नमिराजर्षि का वर्णन कौन से शास्त्र के, कौन से अध्ययन में हैं।